ससमीरा के बारे में

संक्षिप्त इतिहास

दि सिंथेटिक एण्ड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन (ससमीरा), भारत के वस्त्र उद्योग द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अपनी वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया एक सहकारी उद्यम है । विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा मान्यता प्रदान किए जाने के बाद ही ससमीरा की स्थापना 12 जनवरी, 1950 को की गई थी । संगमरमर से निर्मित ससमीरा का भव्य भवन मुंबई शहर की प्रमुख स्थली वर्ली हिल के धरातल पर 12,000 वर्ग मीटर के भू-भाग पर अवस्थित है । इस भवन का निर्माण कार्य वर्ष 1958 में पूरा हुआ ।

उद्देश्य

इसके उद्देश्य निम्नलिखित माध्यमों से वस्त्र और उससे संबद्ध उद्योगों को वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता प्रदान करना है :-

- ♣ अनुसंधान व विकास क्रियाकलाप
- ♣ परीक्षण और तकनीकी सेवाएं
- ♣ उपकरण विन्यास
- ♣ सीएडी (कम्प्यूटर सहायित डिजायन) सेवाएं
- ♣ तकनीकी शिक्षा व प्रशिक्षण
- ♣ तकनीकी सूचना का प्रसार

क्रियाकलाप

ससमीरा बहुविध क्रियाकलापों में लगी हुई है जिनका प्रमुख उद्देश्य वस्त्र उद्योग को वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता प्रदान करके उसकी उन्नति और विकास सुनिश्चित करना है । इन क्रियाकलापों में अनुसंधान व विकास, तकनीकी सेवाएं और परीक्षण, उपकरण विन्यास, तकनीकी शिक्षा, तकनीकी सूचना का प्रचार - प्रसार तथा संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन करना है ।

ससमीरा के भावी थ्रस्ट क्षेत्रों में विकेन्द्रीकृत क्षेत्रों के उन्नयन के क्षेत्र में अनुसंधान व विकास संबंधी क्रियाकलाप, पारि-अनुकूल प्रसंस्करण और अपशिष्ट का पुनः उपयोग करना आदि शामिल हेांगे । ससमीरा को जैव वस्त्रों, ऑटोमेटिवच वस्त्रों, कृषि वस्त्रों, चिकित्सा वस्त्रों, कम्पोजिट्स, वस्तुशिल्प और स्ट्रक्चरल वस्त्रों आदि जैसे तकनीकी वस्त्रों संबंधी क्रियाकलाप करने के लिए एक नौडीय एजेंसी के रुप में अभिज्ञात किया गया है ।

सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर

ससमीरा की तीन सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं जिनमें समस्त परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं जैसे कताई, बुनाई, निटिंग और प्रसंस्करण के लिए संपूर्ण प्रायोगिक संयंत्र, वस्त्र परीक्षण उपकरणों के विनिर्माण के लिए ढलाई कताई , बुनाई, निटिंग के लिए प्रदर्शन संयंत्र और प्रसंस्करण अभियांत्रिकी के लिए कार्यशाला तथा एक सम्पूर्ण तकनीकी पुस्तकालय भी है । इसके अतिरिक्त भिवण्डी में इसके दो विद्युतकरघा सेवा केन्द्र और एक कम्प्यूटर सहायति डिजायन (कैड) केन्द्र स्थापित है जिनमें मॉडम उपस्करों सहित समस्त परीक्षण और प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं जो विशेष रुप से विद्युतकरधा क्षेत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं ।

पुरस्कार

ससमीरा को आयात प्रतिस्थापना के माध्यम से विदेशी मुद्रा की बचत करने के प्रयोजन से उत्पादों का देशीय विकास करने में उसके योगदान देने के लिए मान्यता स्वरूप विभिन्न एजेंसियों से अनेक पुरस्कार और शील्ड आदि प्राप्त हुए हैं । इनमें परीक्षण उपकरणों के साथ-साथ रक्षा विभाग के लिए बनाई गई विभिन्न मदें शामिल हैं । कुछेक उल्लेखनीय उपस्कार हैं :-

- वर्ष 1969 में परस्पिरोमीटर का विकास करने के लिए भारत सरकार के आयात प्रतिस्थापना संबंधी बोर्ड का पुरस्कार ।

- उपकरण विन्यास के माध्यम से आयात प्रतिस्थापना के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने के लिए भारतीय व्यापार मण्डल से रजत शील्ड ।

- वर्ष 1975 में स्टिफनैस टेस्टर का विकास करके आयात प्रतिस्थापना के लिए पुरस्कार संबंधी बोर्ड का प्रमाणपत्र से पुरस्कृत ।

- वर्ष 1996 में लाईट कॅम्बेट में प्रयुक्त होने वाली कन्टूर बूवन सॉक्स का विकास करने के लिए सोसायटी आफ इण्डिया एयरोस्पेस टेक्नालोजी एण्ड इण्डस्ट्रीज (एसआईएटीआई) का "एयरोस्पेस में देशीकरण करने के लिए उत्कृष्टता" पुरस्कार ।